समाचार वाणी
ख़बर जो करें असर !

नाशिक | Wednesday, 09 September 2026

RSS प्रमुख मोहन भागवत का नागपुर भाषण : ट्रंप टैरिफ और भारत की वैश्विक भूमिका पर बड़ा बयान

Sanket Morankar Published on 12 Sep 2025

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (RSS) के सरसंघचालक **मोहन भागवत** ने नागपुर में अपने ताज़ा भाषण में भारत की **आर्थिक नीतियों, वैश्विक चुनौतियों और अमेरिका-भारत संबंधों** पर खुलकर विचार रखे। भागवत ने खासतौर पर **डोनाल्ड ट्रंप द्वारा लगाए गए टैरिफ** का उल्लेख करते हुए कहा कि भारत को “**आत्मनिर्भर और संतुलित आर्थिक नीति**” अपनानी होगी।

ट्रंप टैरिफ और भारत

भागवत ने कहा कि अमेरिका की सुरक्षा और व्यापार नीतियाँ अब सीधे भारत को प्रभावित करती हैं।

- ट्रंप प्रशासन द्वारा लगाए गए नए टैरिफ से भारतीय निर्यातकों को चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है।
- उन्होंने जोर दिया कि भारत को इन दबावों के बीच **अपनी आर्थिक संप्रभुता बनाए रखनी होगी।**
- भागवत का कहना था कि *“[illegible]”*

आत्मनिर्भर भारत पर बल

अपने भाषण में भागवत ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की **आत्मनिर्भर भारत नीति** को दोहराते हुए कहा कि भारत को **उत्पादन, तकनीक और कृषि** में मजबूत होना ही होगा।

- उन्होंने कहा कि “विदेशी दबाव और आयात पर निर्भरता हमें कमजोर बना सकती है।”
- छोटे उद्योगों और स्थानीय व्यवसायों को बढ़ावा देने पर भी उन्होंने खास ज़ोर दिया।

🔹 सामाजिक एकता और वैश्विक जिम्मेदारी

भागवत ने कहा कि भारत सिर्फ अपने लिए नहीं, बल्कि **पूरी दुनिया के लिए संतुलनकारी शक्ति** है।

- उन्होंने युवाओं से अपील की कि वे **टेक्नोलॉजी, शिक्षा और नैतिक मूल्यों** के साथ आगे बढ़ें।
- भाषण में यह भी कहा गया कि सामाजिक विभाजन और आंतरिक कलह भारत को कमजोर कर सकते हैं।

🔹 अमेरिका-भारत संबंधों पर टिप्पणी

भागवत ने कहा कि भारत और अमेरिका दोनों लोकतांत्रिक देश हैं, लेकिन **भारत को हमेशा अपने राष्ट्रीय हित** को प्राथमिकता देनी चाहिए।

- उन्होंने यह भी कहा कि बदलते वैश्विक हालात में भारत को सिर्फ पश्चिम पर निर्भर रहने की बजाय **बहुपक्षीय संबंधों** को मजबूत करना होगा।

नागपुर में RSS प्रमुख मोहन भागवत का यह भाषण सिर्फ संगठनात्मक विचारों तक सीमित नहीं रहा, बल्कि इसमें भारत की **आर्थिक और विदेश नीति** की दिशा पर भी गहरा संदेश था। उन्होंने ट्रंप टैरिफ के संदर्भ में स्पष्ट किया कि आने वाले समय में भारत को और अधिक **आर्थिक आत्मनिर्भरता और रणनीतिक संतुलन** की आवश्यकता होगी।

DISCLAIMER: the views/contents expressed/presented herein, within this advertorial and promotional feature are the sole and exclusive responsibility of individual clients/expert/their authorised representative/Sanket Morankar, to which effect, publication house/its representative/affiliates are not responsible/liable whatsover.